नवजात शिशु मे ताप नियंत्रण एवं तापमान मापना

उद्देश्य

1 नवजात के शरीर का सामान्य एवं असामान्य तापमान के बारे में जानना।

2 नवजात को ताप हानि (Heat loss) से बचाने के बारे में जानना।

3 नवजात के शरीर का तापमान नियंत्रित करने के बारे में जानना।

नवजात शिशु के शरीर का तापमान

सामान्यतः नवजात के शरीर का तापमान डिग्री सेन्टीग्रेड (°C) में मापा जाता है।

नवजात के शरीर का तापमान

स्थिति	तापमान	क्या करें
सामान्य तापमान	36.5°C से 37.4°C	सामान्य देखभाल करें
कोल्ड स्ट्रेस (Cold Stress) या नवजात के शरीर का ठण्डा होना (चिन्ता का विषय)	36°C से 36.4°C	स्तनपान करायें एवं नवजात की देखभाल पर ज्यादा ध्यान दें।
मध्यम हाइपोथर्मिया (खतरे का लक्षण)	32°C से 35.9°C	स्तनपान करायें, नवजात को गर्म रखें एवं तापमान नापें
तीव्र हाइपोथर्मिया (बहुत ज्यादा खतरा)	32°C से कम होना	शीघ्र ही गहन चिकित्सा सुविधा की आवश्यकता

नवजात के शरीर से तापहानि (Heat Loss)

नवजात के शरीर से तापहानि (Heat Loss) मुख्य रूप से चार विधियों द्वारा होता है।

1 **विकिरण** (Radiation) –शरीर से ताप हानि (Heat loss) विकिरणों द्वारा वातावरण में होती है।

2 **संचरण** (Conduction) – शरीर से ताप की हानि (Heat Loss) ठण्डी वस्तुओं के सर्म्पक (Touch) के द्वारा होना।

नवजात शिशु के शरीर से तापहानि (Heat Los

3 **संवहन** (Convection) –शरीर से ताप हानि (Heat Loss) ठण्डी हवा के सम्पर्क (Touch) के द्वारा होना।

4 **वाष्पीकरण** (Evaporation) – शरीर पर उपस्थित द्रव्य (Fluid) के वाष्पीकरण के द्वारा तापहानि होना।

नवजात के शरीर से तापहानि (Heat Loss)

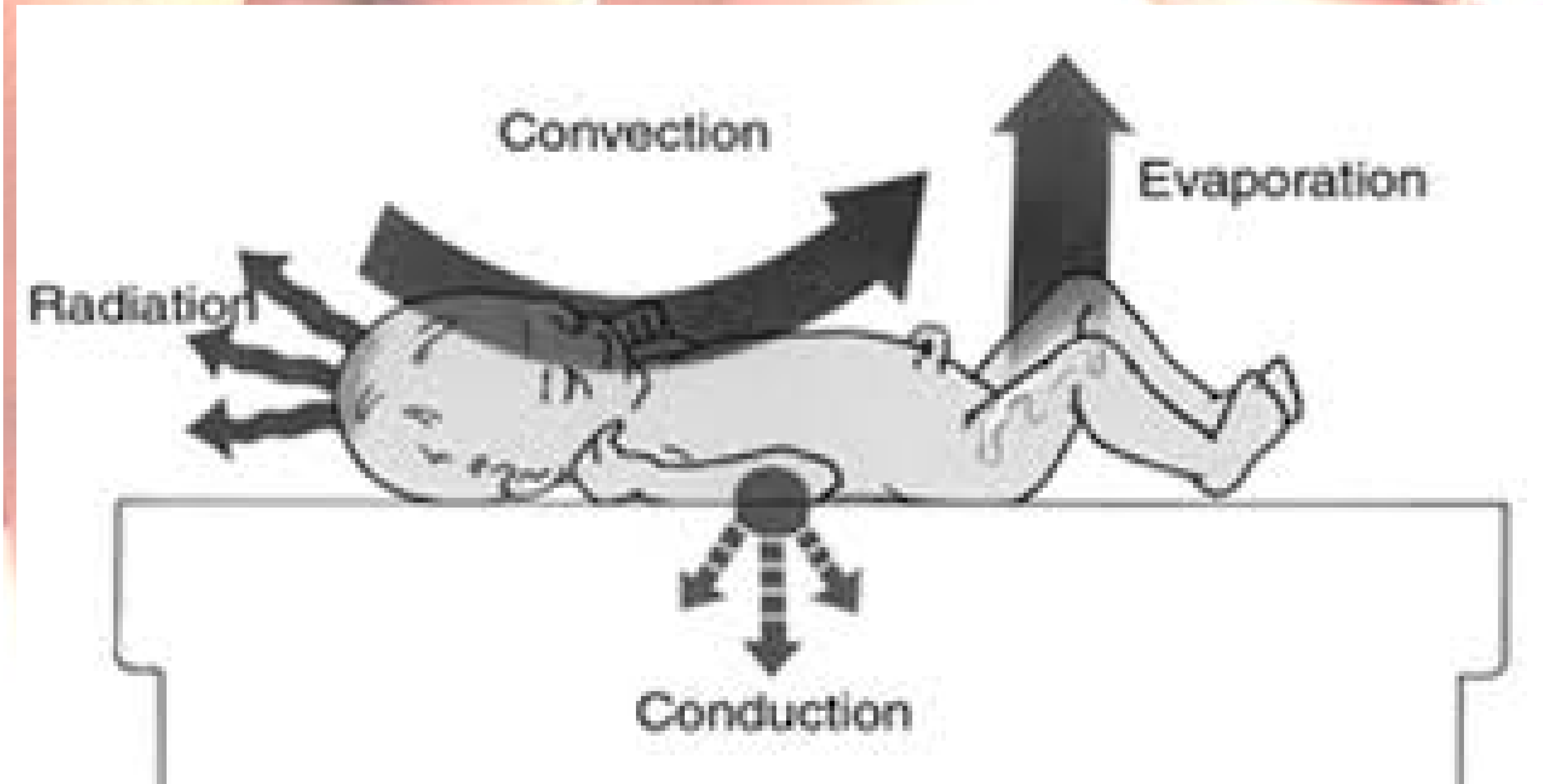

नवजात में हाइपोथर्मिया के कारण

1 नवजात के सिर (Head) का सतह क्षेत्र शरीर की तुलना में सामान्य व्यक्ति से अपेक्षाकृत अधिक होना।

2 शरीर में वसा (Fat) का भडांरण कम होना, मुख्यतः भूरी वसा (Brown Fat) कमी।

3 शरीर में ताप नियन्त्रण के केन्द्र का पूर्ण विकास न होना।

नवजात में हाइपोथर्मिया के कारण

4 गर्भावस्था के 9 महीने पूर्ण न होना। (Premature Baby)

5 गर्भाशय तथा वातावरण के तापमान में भिन्नता होना या अन्तर होना।

नवजात में हाइपोथर्मिया के दुष्प्रभाव

- शरीर का तापमान कम हो जाना।
- शरीर (रक्त) में ग्लूकोज़ की मात्रा में कमी आना (Hypoglycemia) ।
- शरीर (रक्त) में ऑक्सीजन की मात्रा में कमी आना (Hypoxia)।
- नवजात में संक्रमण की संभावना अत्यधिक होना।
- नवजात का सही ढंग से स्तनपान नहीं कर पाना।

नवजात का हाइपोथर्मिया से बचाव

- नवजात को जन्म के तुरन्त बाद साफ कपड़े से सुखाएं।
- सुखाने के उपरान्त साफ कपड़े में नवजात को लपेटें।
- रेडियन्ट वार्मर का उपयोग करें ।
- तुरन्त स्तनपान करवायें।
- त्वचा से त्वचा का सर्म्पक एवं कंगारू मदर केयर (KMC) प्रदान करें।

नवजात का हाइपोथर्मिया से बचाव

तपमान मापने की प्रक्रिया

- नवजात के जन्म के एक घण्टे के बाद व छः घण्टे से पहले नवजात के शरीर का तापमान मापना अत्यंत आवश्यक है।
- आवश्यक सामग्री
  - थर्मामीटर या तापमापी यन्त्र
  - कॉटन स्वाब– सुखे एवं स्पिरिट
  - पेपर बैग
  - पेन, डायरी एवं रिकॉर्ड

तापमापी (थर्मामीटर)

तापमान मापने की प्रक्रिया

- तापमान मापने से पूर्व नर्स परिचारिका को निम्नलिखित कार्य करने आवश्यक है
- हाथ धोना (Hand washing)
- सभी आवश्यक सामग्री पूर्व में एकत्रित करें एवं उनकी गुणवता की जाँच करें
- नवजात के अभिभावक को प्रक्रिया पूर्ण जानकारी प्रदान कर अनुमति प्राप्त करें

तापमान मापने की प्रक्रिया

1 सर्वप्रथम डिजिटल थर्मामीटर को डिब्बी (Case) से बाहर निकालें एवं चमकीले भाग (Bulb) को स्पिरिट स्वाब की सहायता से साफ करें।

2 नवजात के बगल (Armpit) को स्वाब की सहायता से साफ करें।

3 थर्मामीटर को ऑन करें तथा खिड़की में 188.8, पिछला तापमान, तथा एल ओ (LO) आने तक प्रतिक्षा करें।

तापमान मापने की प्रक्रिया

तापमान मापने की प्रक्रिया

4 एल ओ (LO) आने के पश्चात् थर्मामीटर के चमकीले भाग (Bulb) को नवजात के बगल (Armpit) के मध्य भाग में सावधानीपूर्वक इस प्रकार लगाएं कि थर्मामीटर की विंडो नर्स की तरफ हो।

5 थर्मामीटर को बीप (आवाज) आने के पश्चात् या °C चमकने के बंद होने के पश्चात बाहर निकालें।

6 थर्मामीटर की विंडो मे तापमान पढ़ें व रिकॉर्ड मे दर्ज करें।

तापमान मापने की प्रक्रिया

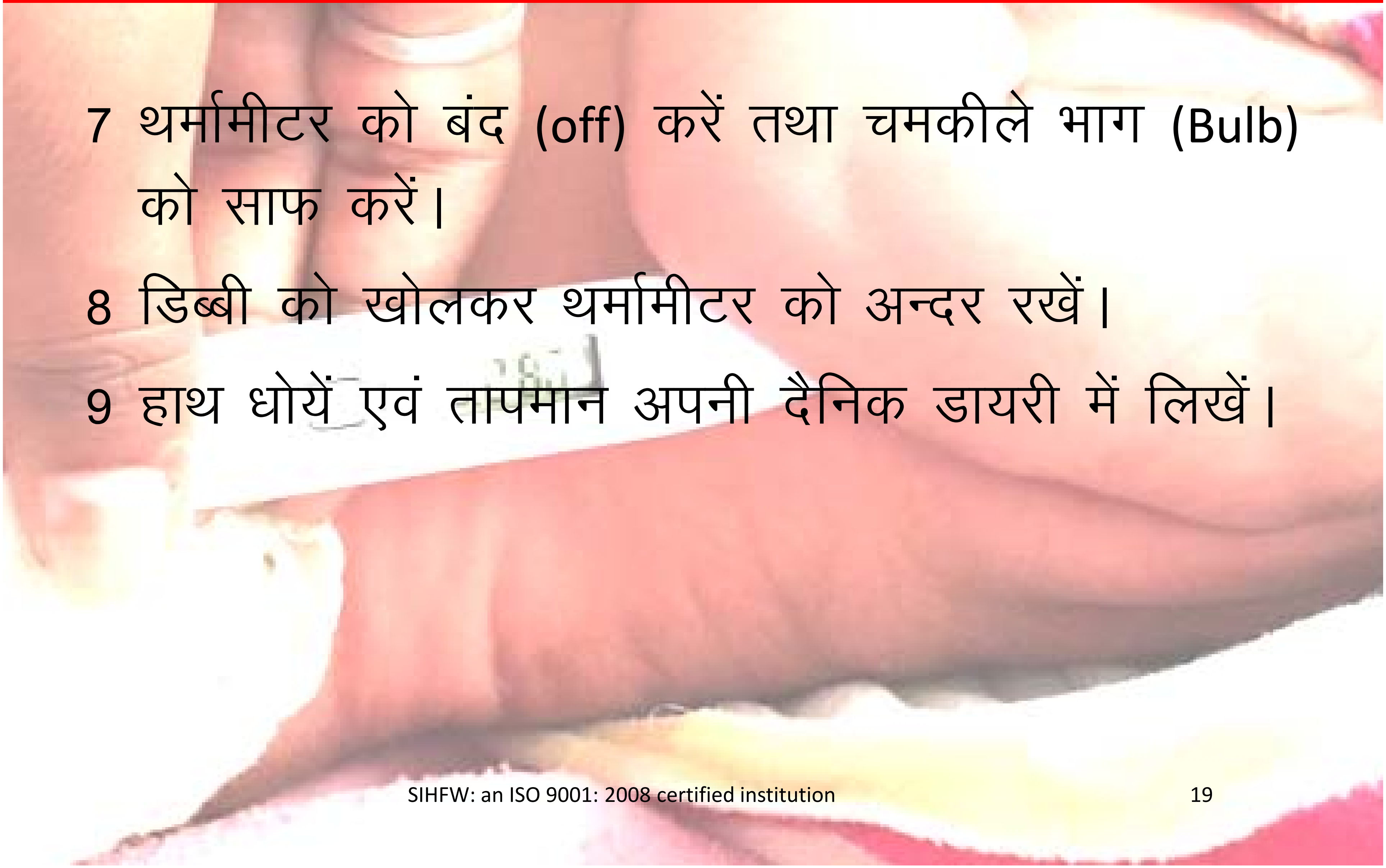

7 थर्मामीटर को बंद (off) करें तथा चमकीले भाग (Bulb) को साफ करें।

8 डिब्बी को खोलकर थर्मामीटर को अन्दर रखें।

9 हाथ धोयें एवं तापमान अपनी दैनिक डायरी में लिखें।

धन्यवाद